



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 661

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 25, 2011/चैत्र 4, 1933

No. 661

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 25, 2011/CHAITRA 4, 1933

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी तथा सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 मार्च, 2011

अंतिम जाँच परिणाम

विषय : चीन जन.गण. तथा स्वीडन के मूल की या वहां से निर्यातित पेंटाएरीश्रीटोल के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की निर्णयिक समीक्षा।

फा. सं. 15/3/2010-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण), नियमावली 1995 (जिसे आगे पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए।

पृष्ठभूमि :

2. निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है), ने चीन जन.गण. और स्वीडन के मूल की या वहां से निर्यातित पेंटाएरीश्रीटोल के आरंभित पाटन के बारे में 26 मार्च, 2010 को निर्णयिक समीक्षा पाटनरोधी जाँच शुरू की। चीन जन.गण. और स्वीडन से पेंटाएरीश्रीटोल के आयातों पर 5 अगस्त, 2005 के प्राधिकारी के प्रारंभिक जाँच परिणामों के आधार पर 20 अक्टूबर, 2005 की सीमा-शुल्क अधिसूचना सं. 93/2005-सीमा-शुल्क के तहत मूल जाँच में अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लागू किया गया था। प्राधिकारी द्वारा अंतिम जाँच परिणाम 2 फरवरी, 2006 की अधिसूचना के तहत अधिसूचित किए गए थे और राजस्व विभाग ने 20 अप्रैल, 2006 की अधिसूचना सं. 37/2006-सीमा-शुल्क के तहत संबद्ध देशों की संबद्ध वस्तु पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लागू किया था।

3. और यह: नियमों में प्राधिकारी के लिए पाटनरोधी शुल्क को सतत रूप से लागू रखने की जरूरत की समय-समय पर समीक्षा अपेक्षित होती है और प्राप्त सूचना के आधार पर इस बात से संतुष्ट होने पर कि ऐसे शुल्क को सतत रूप से लागू रखने का कोई औचित्य नहीं है, प्राधिकारी केन्द्र सरकार से उसे वापस लेने की सिफारिश कर सकते हैं।

4. उपर्युक्त प्रावधान के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी को चीन जन.गण. और स्वीडन के मूल की या वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की निर्णयिक समीक्षा की जरूरत की पुष्टि करते हुए और संबद्ध वस्तु पर लागू पाटनरोधी शुल्क की राशि में वृद्धि करने/संशोधन करने की अपेक्षा करते हुए घरेलू उद्योग द्वारा दायर एक आवेदन प्राप्त हुआ।

प्रक्रिया

5. इस जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है:

- i. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा वर्ष 2006 की उब्ल्यू पी सं. 16893 में पारित आदेशों के अनुरूप इस बात की जांच करने के लिए कि क्या शुल्क समाप्त किए जाने से पाटन और क्षति जारी रहेगी या उसकी पुनरावृत्ति होगी, पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार निर्णयक समीक्षा शुरू की। प्राधिकारी ने चीन जन.गण. और स्वीडन के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित निर्णयक समीक्षा जांच शुरू करते हुए 26 मार्च, 2010 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया।
- ii. प्राधिकारी ने पाटनरोधी शुल्क को सतत रूप से लागू रखने की जरूरत की पुष्टि करने के लिए उत्पाद से संबंधित आंकड़े उपलब्ध कराने हेतु घरेलू उत्पादकों को 12 अप्रैल, 2010 को पत्र लिखा।
- iii. प्राधिकारी को चीन जन.गण. और स्वीडन (जिन्हें आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल की या वहां से निर्यातित पेंटाएरीथ्रीटोल (जिसे आगे पेंटा या संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों के संबंध में लागू पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने और उसकी राशि में वृद्धि करने हेतु जांच शुरू करने का अनुरोध करते हुए मै. कनोरिया कैमिकल्स एंड इंडस्ट्रीज लि. द्वारा दायर एक आवेदन प्राप्त हुआ।
- iv. आवेदक द्वारा प्रदत्त सूचना से निर्णयक समीक्षा जांच शुरू करने के पर्याप्त प्रथमदृष्टया औचित्य का पता चला। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने केन्द्र सरकार से पाटनरोधी शुल्क की मौजूदा मात्रा को आगे और एक वर्ष तक लागू रखने का अनुरोध किया ताकि प्राधिकारी जांच पूरी कर सके।
- v. प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की प्रति संबद्ध देशों के निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों और/अथवा निर्यातकों के पास भेजी और उन्हें नियम 6(2) के अनुसार पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर संगत सूचना उपलब्ध कराने और अपने विचारों से लिखित में अवगत कराने का अनुरोध किया।

क्र.सं.	कंपनी का नाम	देश
1.	मै. हुबर्झी यीहुआ ग्रुप लिमिटेड लाइबिलिटी कंपनी	चीन जन.गण.
2.	मै. गुर्ज़ोऊ क्रिस्टल कैमिकल कं. लि.	चीन जन.गण.
3.	मै. गाइना नेशनल कैमिकल्स कंस्ट्रक्शन कार्पोरेशन	चीन जन.गण.
4.	मै. सिनोकैम जियांगसु इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पोरेशन	चीन जन.गण.
5.	मै. हुबर्झी यीहुआ कैमिकल इंडस्ट्री कं., लिमिटेड	चीन जन.गण.
6.	मै. शान्दी सनवेर्झ ग्रुप कं. लि.	चीन जन.गण.
7.	मै. परस्ट्रॉप स्पेशलिटी कैमिकल ए बी	स्वीडन

vi. नियम 5(5) के अनुसार जांच की शुरूआत के बारे में नई दिल्ली स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों को इस अनुरोध के साथ सूचित किया गया था कि वे निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए अपने देशों के नियातिकों/उत्पादकों को सलाह दें।

vii. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों, उपभोक्ताओं, औद्योगिक प्रयोक्ताओं को जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की प्रति भेजी और उन्हें नियम 6(2) के अनुसार पत्र जारी होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से संगत सूचना उपलब्ध कराने और लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया।

क्र.सं.	कंपनी का नाम	क्र.सं.	कंपनी का नाम
1.	मै. विबर्योर पेन्ट्स प्रा.लि., मुंबई	17.	मै. एच.आर. ट्रेडिंग कं., प्रा. लि., मुंबई
2.	मै. सनमान ट्रेड इम्पैक्स प्रा. लि., मुंबई	18.	मै. लियो कैमोप्लास्ट प्रा.लि., मुंबई
3.	मै. सराफि कैमिकल्स लि. मुंबई	19.	मै. समीर डाय कैम. मुंबई
4.	मै. एल्कोन इंटरप्राइजेज, कोलकाता	20.	मै. बर्जर पेंट्स इंडिया लि., मुंबई
5.	मै. ए.वी.एम. सेल्स प्रा.लि.कोलकाता	21.	मै. सेन्युरी इंका लिमिटेड, मुंबई
6.	मै. सिबा स्पेशियलिटी कैमिकल्स (इंडिया) लि., मुंबई	22.	मै. एडिशन पेंट्स एंड कैमिकल्स, चेन्नई
7.	मै. डेक्रो पेन्ट्स, हैदराबाद	23.	मै. कोट्स ऑफ इंडिया लि., मुंबई
8.	मै. डूजोड़वाला पेपर कैमिकल्स लि., रायगढ़	24.	मै. हार्डकैस्टल एंड वावुल मैन्यु. कं. लि., मुंबई
9.	मै. गार्गी इंडस्ट्रीज प्रोप. नवी मुंबई	25.	मै. गुडलॉस नेरोलैक पेंट्स लि., मुंबई
10.	मै. मित्सु इंडस्ट्रीज लि., मुंबई	26.	मै. हीरो डाय कैम इंडस्ट्रीज, मुंबई
11.	मै. रेजिन्स एंड पिग्मैट्स पीथमपुर (एम पी.)	27.	मै. हिन्दुस्तान इंक्स एंड रेजिन्स लि., मुंबई
12.	मै. चेमी कलर एजेंसी, कोलकाता	28.	मै. आईवीपी लिमिटेड, थाने,
13.	मै. शालीभार पेंट्स, हावड़ा	29.	मै. जेन्सन एंड निकोल्सन (आई) लि., कोलकाता
14.	मै. डूजोड़वाला कैमिकल्स, मुंबई	30.	मै. पारस डाईज एंड कैमिकल्स, मुंबई
15.	मै. ईस्टकॉर्प इंटरनेशनल, कोलकाता	31.	मै. परस्ट्रॉप एजेंसीज कैमिकल्स प्रा.लि., वल्साड
16.	मै. गारवेयर पोलिस्टर लि., मुंबई	32.	मै. गुडलॉस नेरोलैक पेंट्स लि., मुंबई

viii. तथापि, इनमें से किसी पक्षकार ने निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से प्रश्नावली का कोई उत्तर दायर नहीं किया।

ix. वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस), कोलकाता से अनुरोध किया गया था कि वे जांच अवधि तथा पूर्ववर्ती 3 वर्षों के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के आयातों का व्यौरा उपलब्ध कराएं। डी जी सीआई एंड एस से सूचना प्राप्त हो गई थी।

- x. उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार प्राधिकारी ने आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रतियां संबद्ध देशों के ज्ञात उत्पादकों और/अथवा निर्यातकों तथा दूतावासों को उपलब्ध कराई ! अर्गोपनीय आवेदन की एक प्रति अनुरोध किए जाने पर अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उपलब्ध कराई गई थी ।
- xi. किसी भी उत्पादक/निर्यातक/आयातक ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को अपना अनुरोध/उत्तर/सूचना दायर नहीं की है ।
- xii. यह जांच 1 जनवरी, 2009 से 31 दिसंबर, 2009 (जांच अवधि) की अवधि के लिए की गई थी । तथापि, क्षति जांच वर्ष 2006-07, 2007-08, 2008-09 की अवधि और जांच अवधि के लिए की गई थी ।
- xiii. नियम 6(6) के अनुसार मौखिक रूप से संगत सूचना प्रस्तुत करने के लिए प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों को 1 दिसंबर, 2010 को मौखिक सुनवाई का अवसर प्रदान किया जिसमें मै. कलोरिया कैमिकल्स एंड इंडस्ट्रीज लि. (अपने परामर्शदाताओं के जरिए) ने भाग लिया था । मौखिक सुनवाई में भाग लेने वाले पक्षकारों को मौखिक रूप से प्रस्तुत सूचना के लिखित अनुरोध दायर करने की सलाह दी गई थी । हितबद्ध पक्षकारों को अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत विचारों/सूचना पर खंडनात्मक तर्क प्रस्तुत करने की अनुमति दी गई थी । निर्दिष्ट प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त अनुरोधों पर समुचित विचार किया है ।
- xiv. जांच के दौरान विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों तथा प्रदत्त सूचना/साक्ष्य पर प्राधिकारी ने उस सीमा तक समुचित विचार किया है जिस सीमा तक वे साक्ष्य द्वारा समर्थित हैं और वर्तमान जांच के लिए संगत पाया गया है ।
- xv. जांच के दौरान प्राधिकारी ने प्रदत्त सूचना की पर्याप्तता और यथातथ्यता के बारे में स्वयं को संतुष्ट किया । इस प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने संगत और आवश्यक समझी गई सीमा तक घरेलू उद्योग का मौके पर सत्यापन किया ।
- xvi. उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार प्राधिकारी द्वारा विचारित आवश्यक तथ्यों/आधार का प्रकटन ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष किया जा रहा है और उस पर प्राप्त टिप्पणियों पर अंतिम जांच परिणाम में विचार किया जाएगा ।
- xvii. नियम 6(7) के अनुसार प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण प्राधिकारी द्वारा रखी गई सार्वजनिक फाइल के जरिए उपलब्ध कराया और उसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु खुला रखा ।

xviii. जहां कहीं किसी पक्षकार ने वर्तमान जांच के दौरान आवश्यक सूचना जुटाने से मना किया है, अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराया है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डाली है वहां प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर ये जांच परिणाम दर्ज किए हैं।

xix. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के बारे में की गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता प्रदान की है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है जिसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है। जहां संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था।

xx. *** यह चिन्ह इस जांच परिणाम में किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का घोतक है और प्राधिकारी पाटनरोधी नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है।

विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु:

घरेलू उद्योग के विचार

6. विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु के बारे में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

- i.. वर्तमान समीक्षा जांच एक निर्णयक जांच है। मूल जांच में और वर्तमान निर्णयक समीक्षा जांच में शामिल उत्पाद पेंटाएरीथ्रीटोल है। वर्तमान निर्णयक समीक्षा में विचाराधीन उत्पाद वही है जैसा कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने मूल जांच में माना है।
- ii. पेंटाएरीथ्रीटोल सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के अंतर्गत वर्गीकृत एक कार्बनिक रसायन है। तथापि, जांच के दायरे में डाई-पेंटाएरीथ्रीटोल नहीं आता है।
- iii. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और चीन जन.गण. तथा स्वीडन से आयातित पेंटाएरीथ्रीटोल समान वस्तु है।
- iv. पेंटाएरीथ्रीटोल एक मूल कार्बनिक रसायन है जो सामान्यतः सी.शु. टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के अंतर्गत वर्गीकृत है। इसका उत्पादन और विवरण दो ग्रेडों टैक्लीकल तथा नाइट्रेशन में किया जाता है। तथापि, इन दोनों ग्रेडों के बीच कोई खोस अंतर नहीं पाया जाता है और दोनों ग्रेडों का उत्पादन एक ही प्रक्रिया से किया जाता है। उत्पादन प्रक्रिया के दौरान पेंटा के समूचे उत्पादन के 2% से कम का उत्पादन नाइट्रेशन ग्रेड का होता है जबकि 97% से अधिक भाग टैक्लीकल ग्रेड का होता है और ये पाटनरोधी नियमों के अर्थ के भीतर समान उत्पाद हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने मूल जांच में इसकी पुष्टि की है और ऐसा ही माना है।
- v. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से निर्यातित पेंटाएरीथ्रीटोल में कोई अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से आयातित पेंटाएरीथ्रीटोल भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं जैसी विशेषताओं के रूप में तुलनीय है।

- vi. पेंटाएरीथ्रीटोल का उपयोग अल्किड रेजिन, रोजिन ईस्टर, प्लास्टिसाइजर, मुद्रण स्याही, सिंथेटिक रबड़, प्लास्टिक हेतु स्टेबीलाइजर, मोडिफाइड रंजक तेल, डिटोनेटर, विस्फोटक, भेषज, प्रमुख तेल एवं सिंथेटिक स्नेहकों के विनिर्माण में किया जाता है।
- vii. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से आयातित पेंटाएरीथ्रीटोल में कोई अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से आयातित पेंटाएरीथ्रीटोल वस्तु की भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी (जिसे विश्व के अधिकांश उत्पादक अपनाते हैं), कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के रूप में तुलनीय हैं। उपभोक्ता दोनों का अंदल-बदल कर उपयोग करते हैं। याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से आयातित पेंटाएरीथ्रीटोल समान वस्तु है।
- viii. वर्तमान जांच एक समीक्षा जांच है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने मूल जांच में विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के मुद्दे की जांच की है जिस पर भरोसा किया है।

आयातकों, उपभोक्ताओं, निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

7. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के बारे में किसी भी आयातक, उपभोक्ता, निर्यातक तथा किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई टिप्पणी या अनुरोध दायर नहीं किया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

8. विचाराधीन उत्पाद पेंटाएरीथ्रीटोल है जो एक कार्बनिक यौगिक है, जिसका उपयोग अल्किड रेजिन, रोजिन ईस्टर, प्लास्टिसाइजर, मुद्रण स्याही, सिंथेटिक रबड़, प्लास्टिक हेतु स्टेबीलाइजर, मोडिफाइड रंजक तेल, डिटोनेटर, विस्फोटक, भेषज, प्रमुख तेल एवं सिंथेटिक स्नेहकों के विनिर्माण में किया जाता है। पेंटाएरीथ्रीटोल टैक्निकल ग्रेड या नाइट्रेशन ग्रेड का हो सकता है और दोनों ही ग्रेडों को विचाराधीन उत्पाद और वर्तमान जांच के दायरे में शामिल किया गया है। पेंटाएरीथ्रीटोल सी.शु. अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 की सी.शु. उप शीर्ष सं. 2905.42 के अधीन वर्गीकृत है।

9. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में यह विनिर्दिष्ट है कि समान वस्तु का तात्पर्य एक ऐसी वस्तु से है जो जांचाधीन उत्पाद से हर तरह से समनुरूप या समान है और ऐसी किसी वस्तु के अभाव में ऐसी अन्य वस्तु से है जिसमें जांचाधीन उत्पाद की विशेषताओं से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हैं।

10. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तु संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित वस्तु के समान वस्तु है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पेंटाएरीथ्रीटोल में संबद्ध देशों से आयातित पेंटाएरीथ्रीटोल के समान विशेषताएं हैं। उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से आयातित पेंटाएरीथ्रीटोल नियमों के अर्थ के भीतर समान वस्तुएं हैं। इसके अलावा वर्तमान जांच हेतु विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र वही रहेगा जो मूल जांच में था।

घरेलू उद्योगघरेलू उद्योग के विचार

11. घरेलू उद्योग के आधार के बारे में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

क. यह याचिका मै. कनोरिया कैमिकल्स एंड इंडस्ट्रीज लि. ने दायर की है। भारत में ऐसी दो अन्य कंपनियां हैं जिन्होंने पेंटाएरीथ्रीटोल के उत्पादन की क्षमता सृजित की है अर्थात् एशियन पेंट्स (इंडिया), लि. तथा परस्टाप कैमिकल्स इंडिया (प्रा.) लि.।

ख यतः एशियन पेंट्स द्वारा मुख्यतः आबद्ध खपत हेतु विचाराधीन उत्पादन का उत्पादन किया जाता है। तथापि, इसने संगत अवधि में भारतीय बाजार में कुछ बिक्री की है। आबद्ध खपत की सीमा तक एशियन पेंट्स के उत्पादन को इस आधार पर शामिल नहीं किया जाना चाहिए कि

- i. ऐसी आबद्ध खपत व्यापारी बाजार में पाठित आयातों से प्रतिस्पर्धा नहीं करती है और इसलिए यह कंपनी उत्तनी सीमा तक पाटन के व्यवहार द्वारा अप्रभावित रही है;
- ii. उन्होंने पूर्वती और वर्तमान जांच में सक्रिय भागीदारी नहीं की है। यद्यपि, वे उतने ही प्रभावित हुए हैं जितना कि याचिकाकर्ता;
- iii. इस विषय पर उल्लंघनी ओ निर्णय में यह उल्लेख नहीं है कि आबद्ध खपत को अलग नहीं किया जा सकता; इसमें मात्र यह उल्लेख है कि क्षति जांच एक ही प्रकार तक सीमित नहीं रखी जा सकती यदि "घरेलू उद्योग" का आबद्ध और व्यापारी दोनों प्रकार का बाजार है।

ग परस्ट्राप संबद्ध वस्तु का मुख्यतः आयातक है। वस्तुतः याचिकाकर्ता की जानकारी के अनुसार परस्ट्राप ने पूर्णतः आयात करना शुरू कर दिया है और जांच अवधि में उत्पादन बंद कर दिया है। परस्ट्राप इंजिज को निम्नलिखित आधार पर घरेलू उद्योग नहीं माना जा सकता।

- i. कंपनी स्वयं एक संबद्ध देश से प्रमुख आयातक है;
- ii. कंपनी स्वीडन में विदेशी उत्पादक से संबद्ध है;
- iii. कंपनी ने अपना खुद का उत्पादन कम कर दिया है और आयात बढ़ा दिया है;
- iv. कंपनी ने अपना खुद का उत्पादन बेचा है और आयातित उत्पाद का मिलेजुले रूप में अदल-बदल कर उपयोग किया है;
- v. मूल जांच में सहयोग के समस्त दावों के बावजूद कंपनी ने प्राधिकारी को संगत क्षति सूचना प्रदान नहीं की थी।
- vi. कंपनी ने वर्तमान जांच में भी उत्तर नहीं दिया है।

घ. याचिकाकर्ता ने इस बात की पुष्टि की है कि याचिकाकर्ता का उत्पादन भारतीय उत्पादन में प्रमुख हिस्सा रखता है (एशियन पेंट्स द्वारा आबद्ध खपत को शामिल करके और उसे अलग रखने के बाद भी) और इसलिए याचिकाकर्ता को नियमों के अर्थ के भीतर "घरेलू उद्योग" माना जाना चाहिए।

निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

12. विचाराधीन उत्पाद और संमान वस्तु के बारे में किसी भी आयातक, उपभोक्ता, निर्यातक तथा किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई टिप्पणी या अनुरोध दायर नहीं किया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

13. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि, निर्णायक समीक्षा में आधार की पुष्टि करना अपेक्षित नहीं होती है, तथापि आवेदक पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(क) तथा (ख) और नियम 2(ख) के अंतर्गत अपेक्षित घरेलू उद्योग के आधार और धटकों की पूर्ति हेतु अपेक्षित मानदंड को पूरा करता है।

सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन

घरेलू उद्योग के विचार

14. पाटन के बारे में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- i. मूल जांच में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर स्वीडन के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य की गणना की है। इस बात को ध्यान में रखते हुए स्वीडन के निर्यातकों/उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य की गणना अंतर्राष्ट्रीय कच्ची सोमग्री की कीमत, उद्योग के खपत मानदंड, परिवर्तन लागत के अनुमान, बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय तथा उचित लाभ मार्जिन के आधार पर की जानी चाहिए। चूंकि वर्तमान आवेदन मौजूदा उपायों की समीक्षा के लिए है इसलिए प्राधिकारी बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों के प्रयोजनार्थ सामान्य मूल्य की गणना हेतु उसी कार्यप्रणाली को अपना सकते हैं।
- ii. उनके द्वारा यू एन कामट्रेड से संग्रहीत संबद्ध देशों के लिए निर्यात आंकड़ों के अनुसार जांच अवधि में ई यू से पेंटा के निर्यात में समग्र वृद्धि हुई है जिसकी वजह कीमतों में गिरावट रही है। ई यू से निर्यात की कीमत जांच अवधि के दौरान चीन की कीमतों से तुलनीय है। अतः भविष्य में पाटित कीमतों पर आगे और निर्यात किए जाने की प्रबल संभावना है।
- iii. स्वीडन में पेंटा के एकमात्र उत्पादक/निर्यातक परस्टार्प के पास क्षमता 27,000 वार्षिक है।
- iv. चीन गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है और निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भी पाटनरोधी जांचों में चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है। इसी प्रकार अमरीका और यूरोपीय आयोग ने भी पाटनरोधी जांचों में चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है।

- v. संबद्ध वस्तु के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्राधिकारी के समक्ष कोई उत्तर नहीं दायर किया है और इसलिए घरेलू बिक्री कीमत अथवा विनिर्माता की उत्पादन लागत के अभोव में सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि चीन गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है इसलिए सामान्य मूल्य की गणना पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार की जाए।
- vi. वर्ष 2008 तथा जांच अवधि में चीन से भारी मात्रा में निर्यात होने की सूचना दी गई है जैसा कि यू एन कामट्रेड से संग्रहीत सूचना से स्पष्ट हो जाता है। यदि मौजूदा उपायों की मौजूदगी में आयातों की मात्रा इतनी रही है तो पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में देश में होने वाले पाटित आयातों में वृद्धि की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।
- vii. चीन के उत्पादकों के पास न केवल भारी क्षमताएं (चायना कैमिकल रिपोर्टर द्वारा वैबसाइट पर दर्ज रिपोर्ट के अनुसार किए गए दावे के तहत 3.2 लाख मी.ट. प्रति वर्ष) ही नहीं हैं अपितु चीन में घरेलू मांग की पूर्ति के बाद विचाराधीन उत्पाद के विनिर्माण हेतु 1.5 लाख मी.ट. प्रति वर्ष की बेशी क्षमता भी है। भविष्य में आगे और विस्तार की भी आशा है।

निर्यातकों/आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

15. इस संबंध में किसी भी निर्यातक/आयातक तथा अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई मुद्दा नहीं उठाया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

16. 9क(1)(ग) के अधीन, "किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है :

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में सामान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उपधारा (6) के बहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में सामान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :-
- (क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

स्वीडन के लिए पाटन मार्जिन

सामान्य मूल्य

17. प्राधिकारी नोट करते हैं कि स्वीडन के ज्ञात निर्यातक ने भी कोई उत्तर दायर नहीं किया है। चूंकि वास्तविक घरेलू बिक्री कीमत, तीसरे देशों को हुए निर्यात से संबंधित सूचना अथवा स्वीडन में उत्पादन लागत तथा प्रश्नावली के अनुसार अन्य सूचना स्वीडन के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्रस्तुत नहीं की है, इसलिए प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर विश्वास किया है। याचिकाकर्ताओं ने आई सी आई एस-एल ओ आर में प्रकाशित मेथानोल की कीमत के आधार पर स्वीडन में सामान्य मूल्य के ब्यौरे और स्वीडन में उत्पादन लागत के अनुमान उपलब्ध कराए हैं। निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से स्वीडन के किसी भी निर्यातक से कोई उत्तर न मिलने की स्थिति में प्राधिकारी ने स्वीडन में सामान्य मूल्य का निर्धारण उपर्युक्त नियम 6(8) के अनुसार उत्पादन की अनुमानित लागत की गणना के आधार पर किया है। स्वीडन से निर्यातित पेंटा टैक्निकल और नाइट्रेशन दोनों ग्रेड का है जबकि भारत को निर्यातित अधिकांश मात्रा जांच अवधि में नाइट्रेशन ग्रेड की रही है। इस प्रकार स्वीडन के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य टैक्निकल ग्रेड के लिए *** अम.डा. प्रति मी.ट. और नाइट्रेशन ग्रेड के पेंटा के लिए *** अम डॉ. प्रति मी.ट. बनता है। दोनों ग्रेडों के लिए भारित औसत सामान्य मूल्य निम्नलिखित डी एम तालिका में दिया गया है। सामान्य मूल्य का निर्धारण घरेलू उद्योग की कच्ची सामग्री की कीमत का विधिवत समायोजन करने, कच्ची सामग्री के लिए सर्वोत्तम खपत मानकों और संगत अवधि के दौरान परिवर्तन लागत के सर्वोत्तम ज्ञात अनुमानों को अपनाकर किया गया है। इस प्रकार निर्धारित उत्पादन लागत में बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक लागत तथा उचित लाभ मार्जिन जोड़ा गया है।

निर्यात कीमत

18. प्राधिकारी ने स्वीडन से हुए आयातों के बारे में आई बी आई एस के सौदेवार आंकड़ों को हिसाब में लिया है क्योंकि डीजीसीआईएस के आंकड़ों में ऐसे किसी आयात की सूचना नहीं है जबकि आई बी आई एस के आंकड़ों में संबद्ध वस्तु के कुल *** मी.ट. के आयातों के स्रोत का उल्लेख किया गया है। इसी प्रकार चीन जन.गण. से हुए आयातों के बारे में आई बी आई एस के आयात आंकड़ों को इस वजह से अपनाया गया है क्योंकि डी जी सी आई एंड एस द्वारा सूचित आंकड़ों में डाई पेंटा भी शामिल है जो विचाराधीन उत्पाद के दायरे में नहीं है। इसके अनावा आई बी आई एस में मद विवरण के आधार पर सूचना दी जाती है जिससे विचाराधीन उत्पाद को अभिज्ञात किया जा सकता है। इसके अलावा जांच अवधि के दौरान आई बी आई एस की सूचना में प्रदर्शित मात्रा डी जी सी आई एंड एस की मात्रा से अधिक है।

19. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आई बी आई एस की सूचना में स्वीडन से *** मी.ट. पेंटा के आयात दर्शाए गए हैं जिसमें *** मी.ट. टेक्नीकल ग्रेडल और *** मी.ट. नाइट्रेशन ग्रेड का पेंटा

शामिल है। निर्यात कीमत आई बी आई एस द्वारा प्रदत्त सौदेवार सूचना से ली गई है। समुद्री भाड़े और समुद्री बीमा के लिए समायोजन करने के बाद कारखाना निर्यात कीमत की गणना टेक्नीकल ग्रेड के पेंटा के लिए *** अम.डॉ. प्रति मी.ट. और नाइट्रेशन ग्रेड के पेंटा के लिए *** अम.डॉ. प्रति मी.ट. की गई है। भारित औसत कारखाना निर्यात कीमत की गणना *** अम.डॉ. प्रति मी.ट. की गई है। टेक्नीकल ग्रेड के लिए पाटन मार्जिन की गणना *** अम.डॉ. प्रति मी.ट. और नाइट्रेशन ग्रेड के लिए (*** अम.डॉ. प्रति मी.ट. की गई है। भारित औसत पाटन मार्जिन की गणना (**) अम.डॉ. प्रति मी.ट. की गई है।

पाटन मार्जिन गणना:

	तकनीकी ग्रेड	निट्रेशन ग्रेड	औसत
सामान्य मूल्य (अम.डॉ.)	***	***	***
निर्यात कीमत (अम.डॉ.)	***	***	***
पाटन मार्जिन (अम.डॉ.)	**	(***)	(***)
पाटन मार्जिन %	***	(***)	(नकारात्मक)
आयात भात्रा (मी.ट.)	***	***	***

चीन जन.गण. के लिए पाटन मार्जिन

सामान्य मूल्य

20. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. के किसी भी निर्यातक ने कोई उत्तर नहीं दिया है। चूंकि चीन जन.गण. के किसी उत्पादक/निर्यातक ने घरेलू बिक्री कीमत, तीसरे देश को हुए निर्यात, चीन जन.गण. में उत्पादन लागत तथा निर्धारित प्रश्नावली के अनुसार कोई अन्य सूचना प्रस्तुत नहीं की है इसलिए प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर विश्वास किया है। याचिकाकर्ता ने उत्पादन की अनुमानित लागत के आधार पर चीन जन.गण. के संबंध में सामान्य मूल्य का दावा किया है। प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य की गणना की है। इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य *** अम.डॉ. प्रति मी.ट. बनती है।

निर्यात कीमत

21. चीन जन.गण. के उत्पादकों/निर्यातकों के असहयोग को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने चीन जन.गण. से हुए आयातों के बारे में आई बी आई एस के सौदेवार आंकड़ों को हिसाब में लिया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. ने जांच अवधि में *** मी.ट. पेंटा का निर्यात किया है। निर्यात कीमत आई बी आई एस आंकड़ों के सौदेवार व्योरों से ली गई है। समुद्री भाड़े और समुद्री बीमा के लिए समायोजन करने के बाद कारखाना निर्यात कीमत *** अम.डॉ. प्रति मी.ट. निकाली गई है।

पाटन मार्जिन की गणना:

	प्रति मी. ट.
सामान्य मूल्य (अम.डॉ.)	***
निर्यात कीमत (अम.डॉ.)	***
पाटन मार्जिन (अम.डॉ.)	***
पाटन मार्जिन %	50-60%
आयात मात्रा (मी.ट.)	***

पाटन जारी रहने/उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना

22. याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि संबद्ध देशों से आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन और क्षति होने की प्रबल संभावना है। इस संदर्भ में यह उल्लेख किया गया है कि जहां तक चीन का संबंध है, चीन से विचाराधीन उत्पाद के आयात में भारी वृद्धि हुई है। चीन के उत्पादकों के पास 150,000 मी.ट. की मुक्त रूप से निपटान योग्य उत्पादन क्षमता भारत की समूची 23,000 की मांग से काफी अधिक है। चीन से हुए आयातों द्वारा घरेलू उद्योग की कीमत में भारी कटौती की जाएगी। इस प्रकार यदि घरेलू उद्योग अपनी कीमत में कटौती नहीं करेगा तो चीन से होने वाले आयातों में पर्याप्त वृद्धि होने की संभावना है। यदि घरेलू उद्योग अपनी कीमत कम करेगा तो लाभप्रदता (जो पहले से ही प्रतिकूल है), में आगे और गिरावट आएगी।

23. जहां तक स्वीडन का संबंध है, यह अनुरोध किया गया है कि स्वीडन में पेंटा के एकमात्र उत्पादक के पास जर्मनी में विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन सुविधा है। कंपनी द्वारा जर्मनी से भारी मात्रा में निर्यात किया जा रहा है। घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले यूरोप से हुए आयातों के प्रथम दृष्टया साक्ष्य को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने जर्मनी से हुए आयातों के बारे में जांच शुरू कर दी है। स्वीडन पर लागू पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में निर्यातक पुनः स्वीडन से सीधे निर्यात शुरू कर देगा। जर्मनी से वर्तमान कीमत द्वारा घरेलू उद्योग की कीमत में भारी कटौती हो रही है। पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति से स्वीडन की ओर से पाटन तथा परिणामी क्षति होने की संभावना है।

24. प्राधिकारी ने उपर्युक्त अनुरोधों पर विचार किया है। जहां तक घरेलू उद्योग के इस अनुरोध का संबंध है कि स्वीडन के उत्पादक, पर्सटार्प के पास 27,000 मी. वार्षिक की क्षमता है। तथापि स्वीडन से संबद्ध वस्तु के पाटन के साक्ष्य के पुष्टि करते हुए प्राधिकारी के समक्ष कोई समर्थकारी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। उपर किए गए उल्लेखानुसार जांच अवधि के दौरान आई बी आई एस आंकड़ा स्रोत में सूचित स्वीडन से कुल आयात मात्र *** मी.टन के हुए जिन्हें अलग-अलग पाटन मार्जिन के निर्धारण और भरोसे हेतु आयातों हेतु प्रतिनिधिक मात्रा नहीं माना जा सकता। स्वीडन के निर्यातकों द्वारा कोई सूचना/सहयोग न किए जाने की स्थिति में वर्ल्ड ट्रेड एटलस में प्रदत्त आंकड़ों का विश्लेषण भी किया गया है ताकि पाटन की संभावना की जांच की जा सके। वर्ल्ड ट्रेड एटलस के आंकड़ों के आधार पर यह देखा गया था कि जांच अवधि और पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान स्वीडन से अन्य देशों को किसी मात्रा का निर्यात नहीं किया गया है। इस प्रकार यह नोट किया जाता है कि रिकॉर्ड में ऐसा कोई पुष्टिकारक साक्ष्य नहीं है जिससे कि यह पता चले कि स्वीडन पर लागू शुल्क

समाप्त किए जाने से संबद्ध वस्तु का आयात पाटित कीमतों पर आना शुरू हो जाएगा। अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि स्वीडन से पाटन जारी रहने/पुनरावृत्ति होने की संभावना नहीं है। जहाँ तक चीन जन गण का संबंध है प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत को हुए निर्यात की मौजूदा मात्रा काफी अधिक है। इसके अलावा चीन जन गण में उपलब्ध मुक्त निपटान योग्य क्षमता तथा भारतीय मांग को ध्यान में रखते हुए चीन से पाटित आयातों में होने वाली वृद्धि से इनकार नहीं किया जा सकता है। यह वस्तुस्थिति उपर निर्धारित चीन जन गण से सतत पाटन की पुष्टि के अलावा है। प्राधिकारी आगे यह मानते हैं कि चीन जन गण से हुए आयातों पर शुल्क समाप्त किए जाने से पाटन की पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

क्षति निर्धारण हेतु कार्य प्रणाली तथा क्षति एवं कारणात्मक संबंध की जांच

घरेलू उद्योग के विचार

25. घरेलू उद्योग ने निम्नानुसार अनुरोध किया है:-

- i. आयात अभी भी जारी है और ये कम तथा पाटित कीमतों पर हो रहे हैं।
- ii. मूल जांच के समय जो परिस्थितियां मौजूद थीं वो आज की तारीख तक विद्यमान हैं। परिस्थितियों में ऐसा कोई परिवर्तन नहीं हुआ है जिनसे ऐसा संकेत मिल सके कि पाटन स्तर पर नहीं होगा जिस स्तर पर यह मूल जांच के समय हो रहा था।
- iii. संबद्ध देशों से निर्यात कीमत पाटित स्तर पर बनी हुई है।
- iv. पाटित आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में कुछ सुधार हुआ है।
- v. वर्ष 2007-08 तक लाभ/हानि में सुधार हुआ था और उसके बाद जांच अवधि में हुए घाटे की सीमा तक 2008-09 में गिरावट आई।
- vi. ब्याज एवं कर पूर्व लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय, इन सभी में ऐसी ही प्रवृत्ति दिखाई दी है।
- vii. प्रत्येक संबद्ध देश से हुए आयातों द्वारा बाजार में पर्याप्त स्तर तक घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती की जा रही है।
- viii. संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग जांच अवधि के कारण कीमत में तेजी से कमी करने के लिए बाध्य हुआ है। इस प्रकार, आयातों के कारण इस अवधि में कीमत ह्रास हुआ था।
- ix. घरेलू उद्योग के पास रोजगार के स्तर में कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है। प्रदत्त मजदूरी में वृद्धि हुई है।
- x. घरेलू उद्योग के पास मालसूची के स्तर में गिरावट आई है और जांच अवधि में वृद्धि हुई है।
- xi. घरेलू उद्योग ने कीमत मानदंडों अर्थात् नकद प्रवाह, लाभ, निवेश पर आय आदि और बाजार हिस्से के संबंध में नकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। कुल मिलाकर घरेलू उद्योग ने नकारात्मक वृद्धि की है।
- xii. संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु की भारी उत्पादन क्षमताओं और उनके निर्यातोन्मुखी प्रभाव तथा भारत में संबद्ध वस्तु की बढ़ती हुई मांग को ध्यान में रखते हुए इस बात की प्रबल संभावना है कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त या कम किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले पाटित आयातों में वृद्धि हो सकती है।

xiii. पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से होने वाले आयातों के बढ़े खतरे का सामना करना होगा।

26. घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न मापदंडों से सामूहिक और संचयी रूप से यह सिद्ध होता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

27. किसी भी निर्यातक, आयातक और अन्य हितबद्ध पक्षकार ने इस संबंध में कोई मुद्दा नहीं उठाया है।

पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव

28. जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, प्राधिकारी के लिए भारत में उत्पादन या खपत के समग्र रूप में या उसकी तुलना में पाटित आयातों में हुई पर्याप्त वृद्धि की जांच करना अप्रैक्षित है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II (ii) में निम्नानुसार व्यवस्था है :

"पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी यह विचार करेंगे कि क्या समग्र रूप से या भारत में उत्पादन और खपत की दृष्टि से पाटित आयातों में भारी वृद्धि हुई है।"

मांग तथा बाजार हिस्से का निर्धारण

29. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने मांग का निर्धारण घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री की मात्रा, एशियन पेट्रस द्वारा आबद्ध खपत को शामिल करके और उसको अलग रखकर समस्त खोतों से भारत में हुए संबद्ध वस्तु के आयातों तथा अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री की मात्रा के रूप में किया है। इस प्रकार निर्धारित मांग निम्नलिखित तालिका में दर्शायी गई है। यह देखा जा सकेगा कि जांच अवधि में देश में उत्पाद की मांग में वृद्धि हुई है और 2008-09 में गिरावट आई है जिसकी वजह मंदीकारी प्रभाव रहा है।

मांग-मी.ट. (आबद्ध खपत रहित)	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (जन-दिसं.09)
घरेलू उद्योग की बिक्री	***	***	***	***
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	***	***	***	***
संबद्ध देशों से आयात - एसएसआर				
चीन जन गण	1,296	1,553	2,461	1,235
स्वीडन	-	36	35	81
कुल	1296	1588	2496	1316
संबद्ध देशों से आयात - एमटीआर	260	1,252	247	2,786
संबद्ध देशों से आयात - फ्रेस	256	2,900	3,575	6,980
अन्य देशों से आयात	1,428	1,136	378	583

कुल मांग	16,469	21,335	17,189	20,175
प्रवृत्ति	100	130	104	122
मांग- भी.ट. (आबद्ध खपत सहित)	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (जन.-दिसं.-09)
घरेलू उद्योग की बिक्री	***	***	***	***
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री (आबद्ध खपत सहित)	***	***	***	***
संबद्ध देशों से आयात - एसएसआर				
चीन जन गण	1,296	1,553	2,461	1,235
स्वीडन	-	36	35	81
कुल	1296	1588	2496	1316
संबद्ध देशों से आयात - एमटीआर	260	1,252	247	2,786
संबद्ध देशों से आयात - फ्रेस	256	2,900	3,575	6,980
अन्य देशों से आयात	1,428	1,136	378	583
कुल मांग	19,220	24,212	19,564	23,175
प्रवृत्ति	100	126	102	121

मांग में बाजार हिस्सा आबद्ध खपत रहित (%)	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (जन.-दिसं.-09)
घरेलू उद्योग	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)	100	82	90	91
अन्य भारतीय उत्पादक	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)	100	86	65	23
संबद्ध देशों से आयात - एसएसआर				
चीन जन गण	7.87	7.28	14.32	6.13
स्वीडन	शून्य	0.16	0.20	0.40
कुल	7.87	7.44	14.52	6.53
संबद्ध देशों से आयात - एमटीआर	1.58	5.87	1.44	13.81
संबद्ध देशों से आयात - फ्रेस	1.55	13.59	20.80	34.60
अन्य देशों से आयात	8.67	5.32	2.20	2.89
मांग में बाजार हिस्सा आबद्ध खपत सहित (%)	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (जन.-दिसं.-09)
घरेलू उद्योग	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)	100	84	92	92
अन्य भारतीय उत्पादक	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)	100	87	72	42
संबद्ध देशों से आयात - एसएसआर				
संबद्ध देशों से आयात - एमटीआर	1.35	5.17	1.26	12.02
संबद्ध देशों से आयात - फ्रेस	1.33	11.98	18.27	30.12
अन्य देशों से आयात	7.43	4.69	1.93	2.52

30. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से हुए आयातों, जिसमें स्वीडन से नाइट्रेशन और टैक्लीकल ग्रेड दोनों और चीन जन.गण से केवल टैक्लीकल ग्रेड शामिल है, में क्षति जांच अवधि की तुलना में मामूली गिरावट आई है। तथापि, क्षति अवधि की तुलना में घरेलू उद्योग की बिक्री में वृद्धि हुई है यद्यपि, 2008-09 में कुछ गिरावट आई है जिसके बारे में मंदीकारी प्रभाव का दावा किया गया है। आधारभूत क्षति अवधि अर्थात् 2006-07 की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में मामूली गिरावट आई है। इसके विपरीत 2008-09 के दौरान आयातों में भारी वृद्धि हुई है और उसके बाद जांच अवधि में गिरावट आई है। यह गिरावट तत्काल पूर्ववर्ती अवधि की तुलना में पर्याप्त है और आधारभूत क्षति अवधि की तुलना में मामूली है। इस बात पर विचार करते हुए कि वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच है, प्राधिकारी यह मानते हैं कि क्षति अवधि के दौरान चीन जन गण का भारतीय मांग में पर्याप्त हिस्सा बना हुआ है और कुल मांग में स्वीडन का हिस्सा नगण्य है।

कीमत प्रभाव

31. जहां तक कीमतों पर पाठित आयातों के प्रभाव का संबंध है, नियमावली के अनुबंध-II (ii) में निम्नानुसार अनुबंधित है :

"नियम 18 के उपनियम (2) में यथा उल्लिखित कीमतों पर पाठित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी यह विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाठित आयातों द्वारा भारी कीमत कटौती की जा रही है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में अत्यधिक मात्रा में कमी करना है या ऐसी कीमत को रोकना है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।"

32. समीक्षा जांच में इस बात की जांच अपेक्षित होती है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाठित आयातों द्वारा कीमत पर पर्याप्त प्रभाव पड़ा है अथवा क्या शुल्क समाप्त किए जाने के बाद कीमत प्रभाव की पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (जन.-दिस.-09)	स्वीडन - टीजी	स्वीडन - एनजी
पहुंच मूल्य-चीन	रु./मी.ट.	***	***	***	***		
सूचीबद्ध		100	123	135	90		
पहुंच मूल्य-स्वीडन	रु./मी.ट.	-	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध		-	100	99	94		
पहुंच मूल्य-संबद्ध देश	रु./मी.ट.	***	***	***	***		
सूचीबद्ध		100	124	135	94		
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./मी.ट.	***	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	115	119	97		

कीमत कटौती-चीन	रु./मी.ट.	***	***	***	***		
सूचीबद्ध		100	78	52	130		
कीमत कटौती - स्वीडन	रु./मी.ट.	-	(***)	(***)	(***)	***	(***)
सूचीबद्ध		-	(100)	(72)	(142)		
कीमत कटौती - संबद्ध देश	रु./मी.ट.	***	***	***	***		
सूचीबद्ध		100	74	50	112		
कीमत कटौती - चीन	%	***%	**%	***%	***%		
कीमत कटौती-स्वीडन	%	-	-***%	-***%	-***%	***%	-***%
कीमत कटौती इ संबद्ध देश	%	***%	***%	8%	***%		
क्षति रहित कीमत					***		
कीमत कटौती - चीन					***		
कीमत कटौती - स्वीडन					(***)		
कीमत कटौती - कीमत कटौती					***		

33. जहाँ तक चीन जन.गण. का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस वस्तु का अत्यधिक कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री का प्रभाव जारी है। यद्यपि, स्वीडन से हुए आयातों के मामले में इस प्रकार का प्रभाव नकारात्मक है।

34. इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि प्राधिकारी के लिए पाटन की पुनरावृत्ति की संभावना और घरेलू उद्योग को होने वाली परिणामी क्षति की जांच करना भी अपेक्षित है और इस बात को भी ध्यान में रखते हुए कि किसी भी निर्यातक ने आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए हैं, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि शुल्क घटक के निर्धारण हेतु पाटन मार्जिन के साथ तुलना के प्रयोजनार्थ क्षति मार्जिन का निम्नलिखित तालिका के अनुसार पुनः मूल्यांकन आवश्यक है।

स्वीडन

	इकाई	तकनीकी ग्रेड	नाइट्रेशन ग्रेड	भारित औसत
एनआईपी (नाइट्रेशन ग्रेड)	रु /मी.ट.	***	***	***
पहंच लागत	रु /मी.ट.	***	***	***

क्षति मार्जिन	भारतीय रूपए	***	(***)	(***)
क्षति मार्जिन अम.डॉ. में	अम.डॉ.	***	(***)	(***)
क्षति मार्जिन		***	(***)	(***)

चीन जन.गण.

	इकाई	
एनआईपी (टैक्नीकल ग्रेड)	रु /मी.ट.	***
पहुंच लागत	रु /मी.ट.	***
क्षति मार्जिन	भारतीय रूपए	***
क्षति मार्जिन अम.डॉ. में	अम.डॉ.	***
क्षति मार्जिन.		50 - 60%

35. इसके अलावा, चीन जन.गण. या स्वीडन से कोई उत्तर न मिलने पर प्राधिकारी ने वर्ल्ड ट्रेड एटलस में उपलब्ध व्यापार आंकड़ों तथा यू.एन कामट्रेड तथा चाइना कैमिकल रिपोर्टर से उपलब्ध अन्य सूचना पर भरोसा किया है ताकि शुल्क संघटक को समाप्त करने अथवा उसमें वर्तमान स्तर से कमी किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को होने वाली परिणामी क्षति तथा पाठन जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना के प्रभाव का निर्धारण किया जा सके।

कीमत हास तथा न्यूनीकरण

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (जन.-दिस.-09)
बिक्री की लागत	रु./मी.ट.	***	***	***	***
आधार वर्ष से परिवर्तन	सूचीबद्ध	100	94	108	101
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./मी.ट.	***	***	***	***
आधार वर्ष से परिवर्तन	सूचीबद्ध	100	115	119	97
कीमत में गिरावट और लागत में गिरावट के बीच अंतर	रु./मी.ट.				***

36. घरेलू उद्योग की लागत एवं कीमत संरचना तथा संबद्ध देशों से आयातों के पहुंच मूल्य से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में लागत में लगभग 1% की वृद्धि हुई है जबकि कीमत में 3% की गिरावट आई है। जिस कीमत पर भारतीय उत्पादकों द्वारा सामग्री की बिक्री की जा रही है उससे निवेश पर उचित आय प्राप्त नहीं होती है और वह घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से कम है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जहां घरेलू उद्योग की कीमत में जांच अवधि में भारी गिरावट (*** रूपए प्रति मी.ट.) आई है वहीं समूची क्षति अवधि के दौरान उत्पान लागत में मामूली वृद्धि (***

रूपए प्रति मी.ट.) अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि आयातों से बाजार में कीमत हास हो रहा था।

घरेलू उद्योग से संबंधित अन्य आर्थिक मापदंड

37. नियमावली के अनुबंध-2 में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में संबद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। इसके अलावा, नियमावली के अनुबंध-II (iv) में निम्नानुसार प्रावधन है :

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारकों; नकद प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

वास्तविक और संभावित उत्पादन, क्षमता तथा क्षमता उपयोग, बिक्री

38. घरेलू उद्योग की उत्पादन, क्षमता तथा क्षमता उपयोग तथा बिक्री मात्रा संबंधी सूचना निम्नानुसार है:-

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (जन.-दिसं.-09)
संस्थापित क्षमता	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
उत्पादन	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	99	102
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	99	102
घरेलू बिक्री	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	94	111
निर्यात बिक्री	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	43	24	12
आबद्ध खपत सहित मांग	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	126	102	121

39. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के उत्पादन और क्षमता-उपयोग में सुधार हुआ है तथापि, मांग में वृद्धि घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री में हुई वृद्धि की तुलना में काफी अंधिक है।

लाभ, निवेश पर आय तथा नकद प्रभाव

40. घरेलू उद्योग के लाभ, निवेश पर आय और नकद प्रभाव की निम्नानुसार जांच की गई है:

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (जन.-दिसं.-09)
ब्याज तथा कर पूर्व लाभ	रु./लाख	***	***	***	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	1,031	553	(144)
लगाई गई पूँजी पर आय (एनएफए आधार)	%	***	***	***	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	951	484	(79)
नकद लाभ	रु./लाख	***	***	***	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	1,051	574	(44)

41. उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि वर्ष 2007-08 तथा 2008-09 में लाभप्रदता में सुधार संभवतः पाटित र्रोतों से आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क के कारण हुआ है। तथापि, यह स्थिति जांच अवधि में काफी खराब हो गई। ऐसी ही प्रवृत्ति नकद लाभ और निवेश प्रायों के सम्बंध में देखी गई है। प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में यद्यपि पर्याप्त सुधार हुआ तथापि, उसमें जांच अवधि में गिरावट आई और वह पूर्ववर्ती स्थिति से उबरने में समर्थ नहीं हुआ है। इसका कारण मौजूदा र्रोतों में से कुछेक की ओर से सतत पाटन और घरेलू उद्योग के दावे के अनुसार नए र्रोतों से हुआ नया पाटन भी है।

रोजगार एवं मजदूरी

42. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के संघटक एक बहु उत्पाद, बहुस्थानी कंपनी है अतः घरेलू उद्योग के रोजगार के स्तर पर पाटन का कोई प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं पड़ सकता है। घरेलू उद्योग के रोजगार के स्तर और मजदूरी की स्थिति निम्नानुसार है:-

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (जन.-दिसं.-09)
रोजगार (मानवशक्ति)	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108	112	114
मजदूरी	रु/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	116	128	140

43. उपर्युक्त से प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग के रोजगार का स्तर लगभग स्थिर रहा है जबकि मजदूरी में सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है।

उत्पादकता में वास्तविक और सम्भावित गिरावट

44. घरेलू उद्योग की उत्पादकता निम्नलिखित तालिका में दी गई है:

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (जन.-दिसं.-09)
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	92	89	90

प्रति दिवस उत्पादकता	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	99	102

45. उपर्युक्त तालिका से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्ष 2007-08 और 2008-09 के बीच घरेलू उद्योग की उत्पादकता में गिरावट आई परंतु उसमें जांच अवधि में पुनः सुधार हुआ। तथापि, जांच अवधि में प्रति कर्मचारी उत्पादकता का स्तर यद्यपि, 2008-09 की तुलना में बेहतर रहा, तथापि वह वर्ष 2006-07 के उत्पादकता स्तर से कम रहा था।

मालसूची

46. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की मालसूची के स्तर की जांच की है जो निम्नलिखित तालिका में दी गई है:-

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (जन.-दिसं.-09)
औसत स्टॉक	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	24	39	83
बिक्री दिवसों की संख्या के संबंध में औसत स्टॉक	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	25	39	81

47. उपर्युक्त के आधार पर प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के मालसूची के स्तर में 2007-08 में गिरावट आई और तत्पश्चात् 2008-09 तथा जांच अवधि में वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि वे मालसूची के उच्च स्टॉक को बहन करने की स्थिति में नहीं हैं और उन्हें किसी भी कीमत पर बाजार में उत्पाद की बिक्री करनी होगी।

घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

48. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमत में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है अथवा होने वाली उस कीमत वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती। घरेलू बाजार पर आयातों के प्रभाव का निर्धारण करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी ने क्षति अवधि की तुलना में आयात कीमत का विश्लेषण किया और यह पाया कि जांच अवधि में प्रति मी.ट. आयातों का पहुंच मूल्य संबद्ध देशों से निवल बिक्री कीमत और क्षति रहित कीमत से कम है। घरेलू उद्योग में प्रतिस्पर्धा और प्रतिस्पर्धी घटकों की कीमत के कारण लागत संरचना में हुए किसी परिवर्तन की जांच पाटित आयातों से इतर कारकों के विश्लेषण के लिए की गई है जिनसे घरेलू बाजार में कीमतें प्रभावित हो सकती हैं। प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि इस उत्पाद का कार्ड व्यवहार्य स्थानपत्र नहीं है और कीमतें पाटित कीमतों के कारण प्रभावित हुई थीं।

49. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने कर एवं शुल्क, रिबेट, छूट तथा भाड़ा एवं परिवहन को अलग रखते हुए बिक्री कीमत पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति निर्धारित की थी। आयातों की पहुंच कीमत का निर्धारण 1% उत्तराई प्रभार और लागू मूल सीमा शुल्क के साथ भारित औसत सी आई एक निर्यात कीमत पर विचार करते हुए किया गया है। निवल बिक्री प्राप्ति और आयातों की पहुंच कीमत के बीच तुलना की गई है। प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों का पहुंच मूल्य संबद्ध वस्तु के घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से कम रहा था जिससे घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कटौती हुई थी। कीमत कटौती मार्जिन 15-25% था।

50. कम कीमत पर बिक्री क्षति निर्धारण, का एक प्रमुख संकेतक है; अतः प्राधिकारी ने क्षति रहित कीमत निकाली है और उसकी तुलना कम कीमत पर बिक्री की मात्रा का पता लगाने के लिए पहुंच मूल्य के साथ की है। क्षति रहित कीमत की गणना जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन लागत पर समुचित विचार करते हुए घरेलू उत्पादक के लिएकी गई है। प्राधिकारी ने यह पाया है कि जांच अवधि में प्रति मी.ट. आयातों का पहुंच मूल्य संबद्ध देशों के संबंध में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित क्षति रहित कीमत से कम रहा है। कम कीमत पर बिक्री मार्जिन 25-35% था।

वृद्धि

51. घरेलू उद्योग के विभिन्न आर्थिक मापदंडों की जांच करने के बादप्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उत्पादन और बिक्री जैसे मात्रात्मक मापदंडों में सुधार प्रदर्शित होता है; घरेलू उद्योग के विभिन्न कीमत मापदंडों में नकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है जो संबद्ध देशों के खिलाफ लागू पाटनरोधी शुलकों के बावजूद आई है और यह निष्कर्ष निकालते हैं कि इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की वृद्धि नकारात्मक रही है।

पूंजी जुटाने की क्षमता

52. घरेलू उद्योग एक बहु उत्पाद कंपनी है। इस मामले में आगे और निवेश जुटाने की क्षमता, कोई खास कारक नहीं है। तथापि, यदि वर्तमान पाटन का स्रोत जारी रहता है तो पूंजी जुटाने की घरेलू उद्योग की क्षमता प्रभावित होगी।

अन्य ज्ञात कारक

53. जांच अवधि के दौरान वर्तमान जांच के संबद्ध देशों और जिन देशों के खिलाफ जांच चल रही है उन देशों से आयात हुए हैं। इन देशों से इतर देशों से हुए आयात उच्च कीमत पर हुए हैं।

मांग में कमी और/अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जांच अवधि (जन.-दिसं.-09)
आबद्ध खपत रहित कुल मांग	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	130	104	122

आबद्ध खपत सहित कुल मांग	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	126	102	121

54. आंकड़ों से यह पता चलता है कि विचाराधीन उत्पाद की मांग में 2008-09 में गिरावट आई थी और जांच अवधि में वृद्धि हुई थी। मांग में गिरावट को ऐसा कारक नहीं माना जा सकता जिससे घरेलू उद्योग प्रभावित हो सकता हो।

विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

55. संबद्ध वस्तु मुक्त रूप से आयात योग्य है और घरेलू बाजार में कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार नहीं है। घरेलू उद्योग एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करता है और साथ ही साथ संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत से प्रतिस्पर्धा करता है। घरेलू उद्योग की कीमत का निर्धारण संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत द्वारा किया जाता है। इसके अलावा, अन्य स्रोतों से हुए आयातों की भारतीय बाजार में अच्छी उपस्थिति है।

प्रौद्योगिकी विकास और निर्यात निष्पादन

56. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति के कारण के रूप में प्रौद्योगिकी या प्रौद्योगिकी से जुड़ा कोई मुद्दा नहीं उठाया है।

घरेलू उद्योग द्वारा निर्यात

57. जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का केवल 141 मी.ट. का निर्यात हुआ है और वह उनके उत्पादन का लगभग 2 % बनता है। अतः निर्यातों का उसके समग्र निष्पादन पर प्रभाव नहीं पड़ सकता है।

क्षति जारी रहने/उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना

58. प्राधिकारी ने रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना को नोट किया है। यह नोट किया जाता है कि जहाँ तक स्वीडन से हुए आयातों का संबंध है, पाटन एवं क्षति दोनों का मार्जिन ऋणात्मक है जबकि भारतीय बाजार में कुल मांग को देखते हुए स्वीडन से हुए आयात की मात्रा कम रही है। किसी हितबद्ध पक्षकार ने रिकॉर्ड में इस आशय का कोई साक्ष्य नहीं रखा है कि स्वीडन से संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना है। अतः यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में स्वीडन से क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की कोई संभावना नहीं है।

59. जहाँ तक चीन जन. गण. का संबंध है, प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद संबद्ध वस्तु का पाटन जारी है। उक्त पाटन से घरेलू उद्योग को क्षति जारी रही है। प्राधिकारी यह

निष्कर्ष निकालते हैं कि चीन जन गण से हुए आयातों पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में क्षति जारी रहने की संभावना है।

प्रकटन विवरण पर टिप्पणियाँ

60. घरेलू उद्योग सहित किसी भी हितबद्ध पक्षकार, जिसने अन्यथा जाँच में सक्रियता से भाग लिया है, प्रकटन विवरण पर कोई टिप्पणी प्रस्तुत नहीं की है।

अंतिम जाँच परिणाम

61. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा जाँच के विभिन्न चरणों पर दिए गए तर्कों, प्रदत्त सूचना और किए गए अनुरोधों तथा प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए एवं वर्तमान तथा संभावित पाटन और क्षति के उपर्युक्त विश्लेषण और पाटन एवं क्षति जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना के आधार पर प्राधिकारी निम्नलिखित निष्कर्ष निकालते हैं :

(i) भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु पाटित कीमतों पर प्रवेश कर रही है और चीन जन. गण. से आयातित संबद्ध वस्तु का पाटन मार्जिन काफी अधिक और न्यूनतम सीमा से ज्यादा है।

(ii) भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु के पाटित कीमत पर आने की संभावना है और चीन जन. गण. से हुए आयातों के संबंध में संभावित पाटन मार्जिन काफी अधिक है और जो न्यूनतम सीमा से अधिक होने जा रहा है।

(iii) चीन जन गण से वर्तमान उपाय वापस लिए जाने की स्थिति में भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु के पाटित कीमतों पर प्रवेश किए जाने की संभावना है।

(iv) घरेलू उद्योग की स्थिति नाजुक बनी हुई है और संबद्ध देशों, खासकर चीन जन. गण. से हुए पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को पर्याप्त क्षति हो रही है। इसके अलावा, चीन जन गण से वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने तथा उसमें वृद्धि होने की संभावना है।

(v) अनुरोध किया जाता है कि जहाँ तक स्वीडन से हुए आयातों का संबंध है, स्वीडन से हुए आयातों की मात्रा भारतीय बाजार में कुल मांग को देखते हुए कम रहने के अलावा पाटन एवं क्षति दोनों मार्जिन ऋणात्मक हैं।

(vi) अतः यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में स्वीडन से क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की कोई संभावना नहीं है।

62. इस आशय का निष्कर्ष निकालने के बाद कि घरेलू उद्योग की स्थिति नाजुक बनी हुई है और शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में चीन जन. गण. तथा स्वीडन से पाटित आयातों के कारण पाटन एवं

क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, प्राधिकारी का यह मत है कि चीन जन गण से हुए आयतों के संबंध में उपाय को लागू रखना अपेक्षित है।

63. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए समस्त अनुरोधों और रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना की जाँच करने के बाद प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि जहां तक चीन जन गण का संबंध है, लागू पाटनरोधी शुल्क की राशि को संशोधित करने की जरूरत है और स्वीडन के संबंध में इसे समाप्त करने की जरूरत है। अतः प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और चीन जन गण के मूल की या वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के समस्त आयतों पर 515 अम. डॉ./मी. टन की संशोधित दर से पाटनरोधी शुल्क जारी रखने और स्वीडन के मूल की या वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयतों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क समाप्त करने की सिफारिश करते हैं जैसा कि केन्द्र सरकार की 20 अप्रैल, 2006 की सी.शु. अधिसूचना सं. 37/2006-सी.शु. के तहत अधिसूचित किया गया था। उपर्युक्त अधिसूचना में शांकरी तथा हुबाई के संबंध में अलग-अलग शुल्क विधिमान्य नहीं रहेगा और ये दोनों उत्पादक चीन जन गण के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक के समान 515 अम. डॉ./मी. टन का पाटनरोधी शुल्क अदा करने के पात्र होंगे।

64. इस सिफारिश के परिणामस्वरूप केन्द्र सरकार के आदेशों के खिलाफ कोई अपील अधिनियम के संगत उपबंधों के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क तथा सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

विजयलक्ष्मी जोशी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th March, 2011

FINAL FINDINGS

Subject: Sunset review of Anti-dumping duty on import of Pentaerythritol originating in or exported from China PR and Sweden to India.

F. No. 15/3/2010-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as Rules);

BACKGROUND

2. The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority) initiated a Sun Set Review antidumping investigation on 26th March, 2010 into alleged dumping of Pentaerythritol originating in or exported from China PR and Sweden. The provisional antidumping duty in the original investigation was imposed on imports of Pentaerythritol from China PR and Sweden vide customs notification no. 93/2005-CUS dated 20th October, 2005 on the basis of the preliminary findings of the Authority dated 5th August, 2005. The final findings were notified by the Authority vide notification dated 2nd February 2006 and the Department of Revenue imposed definitive anti dumping duties on the subject goods from subject countries vide notification no. 37/2006-CUS dated 20th April, 2006.

3. And whereas the Rules require the Authority to review, from time to time, the need for continued imposition of Anti-Dumping Duty and if it is satisfied, on the basis of information received by it that there is no justification for continued imposition of such duty, the Authority may recommend to the Central Government for its withdrawal.

4. In terms of the above provision, Designated Authority, received an application filed by the Domestic Industry substantiating the need for sunset review of the anti dumping duty imposed on the subject goods originating in or exported from China PR and Sweden and required for enhancement / revision of the anti dumping duty imposed on subject goods.

Procedure

5. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:

- i. The Designated Authority, in line with the Orders passed by the Hon'ble High Court of Delhi in WP No. 16893 of 2006, initiated Sun-Set Review in accordance with Section 9A (5) of the Act read with Rule 23 of Anti dumping Rules to examine whether cessation of duty would lead to continuation or recurrence of dumping and injury. The Authority issued a public notice dated 26th March, 2010 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating antidumping sunset review investigation concerning imports of the subject goods originating in or exported from China PR and Sweden.
- ii. The Authority wrote to the Domestic producers on 12th April 2010 to provide data relating to the product to substantiate need for continued imposition of AD Duty.
- iii. The Authority received an application filed by M/s. Kanoria Chemicals & Industries Ltd. requesting continuation of the investigation for review and enhancement of anti dumping duties in force concerning imports of Pentaerythritol (hereinafter referred as Penta or subject goods) originating in or exported from China PR and Sweden (hereinafter referred to as subject countries).
- iv. The information provided by the applicant showed sufficient *prima facie* justification for initiation of sunset review investigation. On being satisfied, the Authority requested the Central Govt. to extend the existing quantum of AD Duty by one year to facilitate the Authority to complete the investigation.
- v. The Authority forwarded a copy of the public notice to the following known producers and/or exporters in the subject countries and provided them opportunity to provide relevant information and make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rule 6(2).

S.N.	Name of Company	Country
1.	M/s. Hubei Yihua Group Limited Liability Company	China PR
2.	M/s. Guizhou Crystal Chemical Co., Ltd.	China PR
3.	M/s. China National Chemicals Construction Corporation	China PR
4.	M/s. Sinochem Jiangsu Import & Export Corporation	China PR
5.	M/s. Hubei Yihua Chemical Industry Co., Ltd.	China PR
6.	M/s. Shanxi Sanwei Group Co., Ltd.	China PR
7.	M/s. Perstorp Specialty Chemicals AB	Sweden

- vi. The Embassies of the subject countries in New Delhi were informed about the initiation of the investigation, in accordance with Rule 5(5) with a request to advise

the exporters/producers in their respective countries to respond to the questionnaire within the prescribed time.

- vii. The Authority forwarded a copy of the Initiation notification to following known importers, consumers, industrial users of subject goods in India and advised them to provide relevant information in the form and manner prescribed and make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter in accordance with the Rule 6(2).

S.N.	Name of Company	S.N.	Name of Company
1.	M/s. Vibgyor Paints Pvt. Ltd., Mumbai	17.	M/s. H.R. Trading Co., Pvt. Ltd., Mumbai
2.	M/s. Sanman Trade Impex Pvt. Ltd., Mumbai	18.	M/s. Leo Chemoplast Pvt., Ltd., Mumbai
3.	M/s. Saraf Chemicals Ltd., Mumbai	19.	M/s. Samir Dye Chem, Mumbai
4.	M/s. Alcon Enterprises, Kolkata	20.	M/s. Berger Paints India Ltd., Mumbai
5.	M/s. A.V.M. Sales Pvt. Ltd., Kolkata	21.	M/s. Century Inka Limited, Mumbai
6.	M/s. Ciba Speciality Chemicals (India) Ltd., Mumbai	22.	M/s. Addison Paints & Chemicals, Chennai
7.	M/s. Decro Paints, Hyderabad	23.	M/s. Coates of India Ltd., Mumbai
8.	M/s. Dujodwala Paper Chemicals Ltd., Raigad	24.	M/s. Hardcastle & Waul Mafg. Co., Ltd., Mumbai
9.	M/s. Gargi Industries Prop. Navi Mumbai	25.	M/s. Goodlass Nerolac Paints Ltd., Mumbai
10.	M/s. Mitsu Industries Ltd., Mumbai	26.	M/s. Hero Dye Chem Industries, Mumbai
11.	M/s. Resins & Pigmenhts, Pithampur (MP)	27.	M/s. Hindustan Inks & Resins Ltd., Mumbai
12.	M/s. Chemi Colour Agency, Kolkata	28.	M/s. IVP Ltd., Thane
13.	M/s. Shalimar Paints Ltd., Hawra	29.	M/s. Jenson & Nicholson (I) Ltd., Kolkata
14.	M/s. Dujodwala Paper Chemicals, Mumbai	30.	M/s. Paras Dyes & Chemicals, Mumbai
15.	M/s. Eastcorp International, Kolkata	31.	M/s. Perstorp Aegies Chemicals Pvt. Ltd., Valsad
16.	M/s. Garware Polyester Ltd., Mumbai	32.	M/s. Goodlass Nerolac Paint Ltd., Mumbai

- viii. None of these parties however filed any response to questionnaire in the form and manner prescribed.
- ix. Request was made to the Director General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S), Kolkata to provide details of imports of subject goods in India for the period of investigation and preceding three years. Information was received from the DGCI&S.
- x. The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known producers and/or exporters and the Embassies of the subject countries in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the non-confidential application was also made available for other interested parties, wherever requested.
- xi. None of the producers/exporters/importers has filed their submission/ response/ information to the Designated Authority.
- xii. Investigation was carried out for the period starting from 1st January 2009 to 31st December 2009 (POI). However, injury examination was conducted for a period from 2006-07, 2007-08, 2008-09 and POI.

- xiii. The Authority held a oral hearing on 1st December 2010 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally in accordance to Rule 6(6), which was attended by M/s. Kanoria Chemicals & Industries Ltd. (through their consultants). The parties attended the oral hearing were advised to file written submissions of the information presented orally. The interested parties were allowed to present rebuttal arguments on the views/information presented by other interested parties. Designated Authority has considered submissions received from various interested parties appropriately.
- xiv. Arguments raised and information/evidence provided by various interested parties during the course of the investigation, to that extent the same are supported with evidence and considered relevant to the present investigation, have been appropriately considered by the Authority.
- xv. The Authority during the course of investigation satisfied itself as to the adequacy and accuracy of the information supplied. For that purpose, the Authority conducted on-the-spot verification of the domestic industry to the extent considered relevant and necessary.
- xvi. In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis under consideration of the Authority are being disclosed to known interested parties and comments received on the same shall be considered in the final findings.
- xvii. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties through a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).
- xviii. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigations, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded these findings on the basis of the facts available.
- xix. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has granted confidentiality, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- xx. *** in this finding represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the AD Rules.

Product Under Consideration And Like Article:

VIEWS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

- 6. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to product under consideration and like article:

- i. The present review investigation is a sunset investigation. The product involved in the original investigation and in the present sunset review investigation is Pentaerythritol. The product under consideration in the present sunset review is the same as has been held by the Designated Authority in the original investigation.
- ii. Pentaerythritol is an organic chemical classified under chapter 29 of the customs Tariff Act. However, scope of the investigations excludes di-pentaerythritol.
- iii. Pentaerythritol produced by the domestic industry and imported from China PR and Sweden are like product.
- iv. Pentaerythritol is a basic organic chemical normally classified under chapter 29 of the customs Tariff Act. It is produced and marketed in two grades technical and nitration. However there is no material difference found between these two grades and both the grades are produced out of same process. During the production process less than 2% of entire production of Penta results into the production of nitration grade whereas more than 97% constitutes as technical grade and they are the like product within the meaning of AD Rules. This has been established and held by the Designated Authority in the original investigations.
- v. There is no difference in Pentaerythritol produced by the Indian industry and Pentaerythritol exported from the subject countries. Pentaerythritol produced by the Indian industry and imported from the subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics.
- vi. Pentaerythritol is used in the manufacture of Alkyd Resin, Rosin Esters, Plasticizers, Printing Inks, Synthetic Rubber, Stabilizers for Plastics, Modified drying oils, Detonators, Explosives, Pharmaceuticals, Core oils and Synthetic Lubricants.
- vii. There is no difference in Pentaerythritol produced by the domestic industry and imported from subject countries. Pentaerythritol produced by the domestic industry and imported from subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology (followed by most of the producers' world over), functions and uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers have used the two interchangeably. Pentaerythritol produced by the petitioners and imported from subject countries is like article.
- viii. Present investigation is a review investigation. The Designated Authority has examined the issue of product under consideration and like article in the original investigation, which is relied upon.

Views Of The Importers, Consumers, Exporters And Other Interested Parties

7. None of the importers, consumers, exporters and any other interested party has filed any comment or submissions with regard to product under consideration, and like articles.

Examination By The Authority

8. The product under consideration is Pentaerythritol, an organic compound which finds application in manufacture of Alkyd Resin, Rosin Esters, Plasticizers, Printing Inks, Synthetic

Rubber, and Stabilizers for Plastics, Modified Drying Oils, Detonators, Explosives, Pharmaceuticals, Core Oils and Synthetic Lubricants. Pentaerythritol can be of technical grade or nitration grade and both grades are included within the scope of product under consideration and present investigation. Pentaerythritol is classified under Customs sub heading No 2905.42 under chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975.

9. Rule 2(d) of the Anti-dumping Rule specifies that like articles mean an article, which is identical and alike in all respects to the product under investigation or in the absence of such an article, another article having characteristics closely resembling those of the articles under examination.

10. The petitioner claimed that the goods produced by them are like articles to the goods originating in or exported from subject countries. The Authority notes that pentaerythritol produced by domestic industry has characteristics, which are similar to those of pentaerythritol imported from subject countries. In view of the above the Authority holds that pentaerythritol produced by the domestic industry and that being imported from the subject countries are like articles within the meaning of the rules. Further the scope of Product Under Consideration for the present Review shall be the same as was in the original investigation.

Domestic Industry

Views Of The Domestic Industry

11. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to standing of the domestic industry.

- a. The petition has been filed by M/s. Kanoria Chemicals & Industries Ltd. There are two other companies in India who created capacity for production of Pentaerythritol namely Asian Paints (India) Ltd. and Perstorp Chemicals India (P) Ltd.
- b. Whereas Asian Paints produces the product under consideration primarily for captive consumption; it has undertaken some sales in the Indian Market in the relevant period. Production of Asian Paints to the extent of captive consumption should not be included on the grounds that
 - i. such captive consumption does not compete with the dumped imports in the merchant market and therefore the company is unaffected by the dumping practices to such an extent;
 - ii. They have not actively participated in the previous as well as present investigations even though they are affected by the dumping to the extent petitioner is affected;
 - iii. WTO decision on this subject does not state that captive consumption cannot be excluded; it merely states that injury examination cannot be restricted to

one type if the “domestic industry” is having both captive and merchant market.

- c. Perstorp is largely an importer of the subject goods. In fact, as per petitioner's knowledge, Perstorp has completely switched over to imports and closed production in the POI. Perstorp Aegis cannot be considered as domestic industry on the grounds that
 - i. The company is itself a major importer from one of the subject countries;
 - ii. The company is related to the foreign producer in Sweden;
 - iii. The company reduced its own production and increased imports;
 - iv. The company sold its own production and imported product interchangeably in a mixed manner;
 - v. Company did not provide relevant injury information to the Authority in spite of all claims of cooperation in the original investigation.
 - vi. The company has not responded in the current investigations, too.
- d. The petitioner has established that production of petitioner constitutes a major proportion in Indian Production (both after including and excluding captive consumption by Asian Paints) and therefore petitioner should be treated as “domestic industry” within the meaning of the Rules.

Views Of The Exporter, Importers, Consumers And Other Interested Parties

12. None of the importers, consumers, exporters and other interested parties has filed any comment or submissions with regard to the standing of the domestic industry.

Examination By The Authority

13. Authority notes that although the standing is not required to be established in a SSR, the applicant fulfils the requisite criteria to satisfy standing and constitutes domestic industry, as required under Rule 5(a) and (b) and Rule 2(b) of AD Rules.

Normal value, Export Price and Dumping Margin

Views Of The Domestic Industry

14. Domestic industry has made following submissions with regard to dumping.

- i. In the original investigations, the Designated Authority has constructed the normal value for exporters/producers from Sweden based on facts available as per Rule 6(8) of AD Rules. In view of this, the normal value should be constructed for the exporters/producers from Sweden based on international raw material prices, consumption norms of the industry, estimates of conversion costs, selling, general & administrative expenses and reasonable profit margin. Since, the present application is for the review of the existing measures, the Authority may consider

the same methodology to calculate the normal value for the purposes of market economy countries.

- ii. As per the export statistics for the subject countries collected by them from UN Com trade, the exports of Penta from EU as a whole have increased in the POI, as a result of fall in prices. The export price from EU is comparable to the Chinese prices during the POI. Therefore, there is a strong likelihood of further exports coming at dumped prices in future.
- iii. The capacity with the only known producer/ exporter of Penta in Sweden, Perstorp is 27,000 MT per annum.
- iv. China is a non market economy country and the Designated Authority has also treated China as a non market economy country in anti-dumping investigations. Similarly USA-and European Commission have also treated China as a non-market economy country in anti-dumping investigations.
- v. None of the producers/ exporters of the subject goods have filed any response to the Authority, and therefore, normal value cannot be determined in the absence of the domestic sales price or the cost of production of the manufacturer. The domestic industry has argued that China is a non market economy country, therefore, normal value may be constructed as per para 7 of Annexure I of AD Rules.
- vi. Substantial volumes of exports from China have been reported in 2008 and the POI as is evident from the information collected from UN Com trade. If such is the quantum of imports in the presence of existing measures, likelihood of increased dumped imports entering in to the country cannot be ruled out in case the anti dumping duty is revoked.
- vii. The Chinese producers have not only huge capacities (3.2 lac MT per annum as claimed by a report posted by China Chemical Reporter on the website), but also surplus capacity of 1.5 lac MT per annum to manufacture the product under consideration after meeting the domestic demand in China. Further expansions are also expected in the future.

View Of Exporters/Importers And Other Interested Parties

15. None of the exporters, importers or any other interested party has raised any issue in this regard.

Examination By The Authority

16. Under section 9A (1) (c) normal value in relation to an article means:

- i. The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or
- ii. When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of

the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either

- a. comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- b. the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

Dumping margin for Sweden

Normal value

17. The Authority notes that even the known exporter from Sweden has not filed any response. As information about actual domestic sales price, information on exports to third countries or cost of production in Sweden and other information as per the questionnaire have not been furnished by any of the producers / exporters from Sweden; the Authority has relied upon the best available information for determination of normal value. The petitioners have provided details of normal value in Sweden on the basis of price of Methanol published in ICIS-LOR and estimates of cost of production in Sweden. In the absence of any response from the exporters from Sweden in the form and manner prescribed, the Authority has determined normal value in Sweden on the basis of construction by estimating cost of production in accordance with Rule 6(8) supra. Pentaerythritol exported from Sweden is of both, technical and nitration grade, wherein major quantity exported to India is of nitration grade in the POI. The normal value so determined for Sweden is US \$ *** per MT for technical grade Penta and US\$ *** per MT for nitration grade Penta. The weighted average normal value for both the grades is given in the Dm table below. The normal value has been constructed by adopting duly adjusted domestic industry's raw material prices, best consumption factors for the raw materials and best known estimates of conversion cost during the relevant period. Selling, general & administrative costs and reasonable profit margin has been added to the cost of production so determined.

Export Price

18. The Authority has taken into account transaction wise data from IBIS with regard to imports from Sweden as in DGCI&S data no such imports are reported where as in IBIS data source a total of *** MT of imports of subject goods are reported. Similarly in respect of imports from China PR, IBIS import statistics has been adopted for the reason that the information reported by DGCI&S also includes di-penta which is not in the scope of product under consideration. Further, IBIS reports information on the basis of item description where product under consideration can be identified. In addition the volumes reflected in IBIS information are higher than DGCI&S during the POI.

19. The Authority notes that the IBIS information shows imports of *** MT of Pentaerythritol from Sweden, which includes *** MT of technical grade Penta and *** MT of

nitration grade Penta. The export price has been taken from transaction-wise information provided by IBIS. After making adjustments on account of ocean freight and overseas insurance, the ex-factory export price is calculated at US\$ *** per MT for technical grade Penta and US\$ *** per MT for nitration grade Penta. The weighted average ex-factory export price is calculated at US\$ *** per MT. The dumping margin is calculated at US\$ *** per MT for technical grade and US\$ (*** per MT for nitration grade. The weighted average dumping margin is calculated at US\$ (*** per MT.

Dumping Margin Calculations:

	Technical Grade	Nitration Grade	Average
Normal value(US\$)	***	***	***
Export price(US\$)	***	***	***
Dumping margin(US\$)	***	(***)	(***)
Dumping Margin %	***	(***)	(Negative)
Import volumes (MT)	***	***	***

Dumping margin for China PR

Normal value

20. The Authority notes that none of the exporters from China PR have filed any response. As information about domestic sales price, exports to third country, cost of production in China PR and other information as per prescribed questionnaire have not been furnished by any producer/exporter in China PR; the Authority has relied upon the best available information for determination of normal value. The petitioners have claimed normal value in respect of China PR on the basis of estimates of cost of production. The Authority has constructed normal value as per para 7 of Annexure I of AD Rules. The normal value so determined works out to US \$ *** per MT.

Export Price

21. The Authority has taken into account transaction wise data from IBIS with regards to imports from China PR in view of non cooperation from producers/exporters from China PR. The Authority notes that China PR has exported *** MT of Penta in the POI. The export price has been taken from transaction-wise details of the IBIS data. After making adjustments on account of ocean freight and overseas insurance, the ex-factory export price is calculated at US\$ *** per MT.

Dumping Margin Calculation:

	Per MT
Normal value(US\$)	***
Export price(US\$)	***
Dumping margin(US\$)	***

Dumping Margin %	50-60%
Import volumes (MT)	***

Likelihood of Continuation / Recurrence of Dumping

22. The petitioner has submitted that there is a strong likelihood of dumping and injury in case the existing anti dumping duty on imports from subject countries is revoked. In this context it has been stated that as regards China, there is significant increase in imports of the product under consideration from China. Freely disposable production capacities of 150,000 MT with the Chinese producers are sufficient to meet more than entire Indian demand of 23,000 MT. The Chinese imports will significantly undercut the domestic industry prices. Thus, it is noted that in case domestic industry does not reduce its prices, the Chinese imports are likely to increase significantly. It is also noted that if the domestic industry reduce its prices, its profitability (which is already adverse) will deteriorate further.

23. As regards Sweden, it has been submitted that the sole producer of Pentaerythritol in Sweden has a facility for production of the product under consideration in Germany. It is noted that the company is already exporting significant volumes from Germany. In view of prima facie evidence of imports from Europe (excluding Sweden) causing injury to the domestic industry, the Authority has already initiated investigations in respect of imports from Europe (excluding Sweden).

24. The Authority has considered the submissions as above. As regards the submission of domestic industry that Swedish producer, Perstorp is having capacity of 27,000 MT per annum. However, no evidence in support has been placed before the Authority substantiating dumping evidence of subject goods from Sweden. As already detailed above, the total imports from Sweden during POI, as reported in IBIS data source is barely, 81 MT, which cannot be treated as a representative volume of imports for determination and reliance on the individual DM. In absence of any information/ cooperation by the Swedish exporters, the data provided in the World Trade Atlas was also analyzed to examine the likelihood of dumping. On the basis of world trade atlas data it is seen that there is no exports volume from Sweden to other countries during POI and previous year. Thus, it is noted that there is no substantiated evidence on record which signifies that in the event of revocation of duty on Sweden, the import of subject goods would start coming at dumped prices. The Authority, therefore, holds that there is no likelihood of continuation/ recurrence of dumping from Sweden. As regards China PR, the Authority notes that existing volumes of exports to India is substantial. Further, considering freely disposable capacities available in China PR and Indian demand, the surge in dumped imports from China cannot be ruled out. This fact is apart from the establishment of continued dumping from China PR as determined above. The Authority further holds that cessation of duty on imports from China PR is likely to lead to recurrence of dumping.

Methodology For Injury Determination And Examination Of Injury And Causal Link

Views Of The Domestic Industry

25. The domestic industry has submitted as under:-

- i. The imports are still continuing and are being reported at low and dumped prices.
- ii. The circumstances, which were prevalent at the time of original investigations, are very much in existence even till date. There has been no change in the circumstance, which could suggest that the dumping would not recur at the aggravated level at which it was at the time of original investigation.
- iii. Export price from the subject countries have remained at dumped level.
- iv. Production, sales and capacity utilization of the domestic industry has shown some improvement after the imposition of anti dumping duty on dumped imports.
- v. Profit/loss had shown improvement up to 2007-08 and then started deteriorating in 2008-09 to the extent that losses were suffered in the POI.
- vi. Profit before interest & taxes, cash profits, return on investments have all shown a similar trend.
- vii. Imports from each of the subject countries have been undercutting the prices of the domestic industry in the market to a significant degree.
- viii. Imports from the subject countries have forced the domestic industry to reduce the prices steeply during investigation period. Thus, the imports were depressing the prices in this period.
- ix. Employment levels with the domestic industry have not undergone any significant change. Wages paid have increased.
- x. Inventory level with the domestic industry declined and then increased in the POI.
- xi. Domestic industry posted negative growth in terms of price parameters, viz., cash flow, profits, return on investments etc. and market share. Overall, the domestic industry faced negative growth.
- xii. Considering the huge production capacities of the subject goods in subject countries and their export orientation and the increasing demand for the subject goods in India, in all likelihood any reduction or revocation of the anti-dumping duty may lead to spurt in the dumped imports injuring the domestic industry.
- xiii. In the event of revocation of anti dumping duties, the domestic industry would face much bigger threat of imports from subject countries.

26. The various parameters relating to domestic industry collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered material injury.

Views Of The Exporters, Importers And Other Interested Parties

27. None of the exporters, importers and other interested parties has raised any issues in this regard.

Volume Effect of Dumped Imports

28. With regard to volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India. Annexure II (ii) of the anti dumping rules provides as under:

"While examining the volume of dumped imports, the said authority shall consider whether there has been significant increase in the dumped imports either in absolute terms or relative in production or consumption in India"

Assessment of demand and market share

29. Designated Authority has determined demand as the sum of domestic sales of the domestic industry, sales of other Indian producers and imports of the subject goods in India from all sources after considering both including and excluding captive consumption by Asian Paints. The demand so assessed is shown in the following table. It would be seen that demand of the product in the country has increased in the POI after a decline in 2008-09.

Demand - MT(excluding captive consumption)	2006-07	2007-08	2008-09	POI (Jan-Dec-09)
Sales of Domestic industry	***	***	***	***
Sales of other Indian producers	***	***	***	***
Imports from Subject Countries - SSR				
China PR	1296	1553	2461	1235
Sweden	--	36	35	81
Total	1296	1588	2496	1316
Imports from Subject Countries-MTR	260	1,252	247	2,786
Imports from Subject Countries-Fresh	256	2,900	3,575	6,980
Imports from Other Countries	1,428	1,136	378	583
Total Demand	16,469	21,335	17,189	20,175
Trend	100	130	104	122
Demand – MT(including captive consumption)	2006-07	2007-08	2008-09	POI (Jan-Dec-09)
Sales of Domestic industry	***	***	***	***
Sales of other Indian producers (including captive consumption)	***	***	***	***
Imports from Subject Countries - SSR				
China PR	1296	1553	2461	1235
Sweden	--	36	35	81
Total	1296	1588	2496	1316
Imports from Subject Countries-MTR	260	1,252	247	2,786
Imports from Subject Countries-Fresh	256	2,900	3,575	6,980
Imports from Other Countries	1,428	1,136	378	583
Total Demand	19,220	24,212	19,564	23,175
Trend	100	126	102	121

Market Share in demand excluding captive (%)	2006-07	2007-08	2008-09	POI (Jan-Dec-09)
Domestic industry	***	***	***	***
Trends (Indexed)	100	82	90	91
Other Indian Producers	***	***	***	***
Trends (Indexed)	100	86	65	23
Imports from Subject Countries-SSR				

China PR	7.87	7.28	14.32	6.13
Sweden	Nil	0.16	0.20	0.40
Total	7.87	7.44	14.52	6.53
Imports from Subject Countries-MTR	1.58	5.87	1.44	13.81
Imports from Subject Countries-Fresh	1.55	13.59	20.80	34.60
Imports from Other Countries	8.67	5.32	2.20	2.89
Market Share in demand including captive (%)	2006-07	2007-08	2008-09	POI (Jan-Dec-09)
Domestic industry	***	***	***	***
Trends (Indexed)	100	84	92	92
Other Indian Producers	***	***	***	***
Trends (Indexed)	100	86	65	23
Imports from Subject Countries-SSR	6.74	6.56	12.76	5.68
Imports from Subject Countries-MTR	1.35	5.17	1.26	12.02
Imports from Subject Countries-Fresh	1.33	11.98	18.27	30.12
Imports from Other Countries	7.43	4.69	1.93	2.52

30. The Authority notes that the imports from subject countries, which includes both Nitration and Technical grade from Sweden and only Technical grade from China PR, have marginally declined over the injury investigation period. Sales of the domestic industry have however increased over the injury period, although they show some decline in 2008-09, which is claimed to be on account of recessionary effect. Market share of the domestic industry has marginally come down during POI compared to the base injury period i.e 2006-07. The imports on the contrary have gone up considerably during 2008-09 and thereafter declined during POI. This decline is considerable when compared to the immediate preceding period and marginal when compared to the base injury period. Considering that the present investigations are sunset review investigations, the Authority holds that imports from China PR continue to hold significant share in Indian demand and share of Sweden in total demand is insignificant over the injury period.

Price Effect

31. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure II (ii) of the Rules lays down as follows“

"With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree."

32. In a review investigation, it is required to examine whether there has been a significant price effect by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether there is likelihood of recurrence of price effect after revocation of duty.

	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (Jan-Dec-09)	Sweden - TG	Sweden - NG
Landed Value-China	Rs./MT	***	***	***	***		
Indexed		100	123	135	90		
Landed Value-Sweden	Rs./MT	-	***	***	***	***	***
Indexed		-	100	99	94		
Landed Value-Subject countries	Rs./MT	***	***	***	***		
Indexed		100	124	135	94		
Net Sales Realization	Rs./MT	***	***	***	***	***	***
Indexed		100	115	119	97		
Price Undercutting-China	Rs./MT	***	***	***	***		
Indexed		100	78	52	130		
Price Undercutting-Sweden	Rs./MT	-	(***)	(***)	(***)	***	(***)
Indexed		-	(100)	(72)	(142)		
Price Undercutting-Subject countries	Rs./MT	***	***	***	***		
Indexed		100	74	50	112		
Price Undercutting-China	%	***%	***%	***%	***%		
Price Undercutting-Sweden	%	-	- ***%	- ***%	- ***%	***%	- ***%
Price Undercutting-Subject countries	%	***	***%	***%	***%		
Non injurious price					***		
Price underselling-China					***		

Price underselling-Sweden					(***)		
Price underselling-Subject countries					***		

33. The Authority notes that the goods continue to have significant price undercutting and underselling effects so far as China PR is concerned although the effect on this score is negative in so far as imports from Sweden are concerned.

34. Considering the fact that the Authority is also required to look into the likelihood of recurrence of Dumping and consequential injury to the Domestic Industry and also considering the fact that none of the exporters have provided data, Authority concludes that it is necessary to re-evaluate the injury margins for the purposes of comparison with dumping margin for determination of duty component, as per table below.

Sweden

	Unit	Technical Grade	Nitration Grade	Wt. Avg.
NIP	Rs./MT	***	***	***
Landed cost	Rs./MT	***	***	***
Injury Margin	Rs./MT	***	(***)	(***)
Injury Margin in US \$	US \$	***	(***)	(***)
Injury margin		***	(***)	(***)

China PR

	Unit	
NIP (Technical Grade)	Rs./MT	***
Landed cost	Rs./MT	***
Injury Margin	Indian Rupees	***
Injury Margin in US \$	US \$	***
Injury margin		50-60

35. Further, there being no response from, either China PR or Sweden, the Authority has relied upon the trade data available in World Trade Atlas as also other available information from UN Comtrade and China Chemical Reporter to assess the impact on likelihood of continuation of recurrence of dumping and consequential injury to the Domestic Industry in the event of either discontinuation or even reduction of the duty component from the present levels.

Price suppression and depression

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (Jan-Dec-09)
Cost of sales	Rs./MT	***	***	***	***

Change from base year	Indexed	100	94	108	101
Net sales realization	Rs/Mt	***	***	***	***
Change from base year	Indexed	100	115	119	97

36. The cost and price structure of the domestic industry and the landed value of imports from the subject countries show that the cost of sales of domestic industry has increased by about 1% over the base year whereas the domestic selling prices have declined by 3%. The price at which material is being sold by the Indian Producers does not provide reasonable return on investment and is below non-injurious price of the domestic industry. The Authority notes that whereas the domestic industry prices declined significantly in POI (Rs. *** PMT), the cost of production over the entire injury period increased slightly (Rs. *** PMT). The Authority therefore concludes that imports were thus suppressing the prices in the market.

Other Economic Parameters Relating To The Domestic Industry

37. Annexure II to the Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of the subject goods. Further Annexure II (iv) of the Rules lays down as follows“

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."

Actual and potential Production, Capacity and Capacity Utilization, Sales

38. Information on capacity, production, capacity utilization and sales volumes of the domestic industry has been as under:-

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (Jan-Dec-09)
Installed capacity	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	100	100
Production	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	99	102
Capacity utilization	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	99	102
Domestic sales	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	106	94	111
Export Sales	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	43	24	12
Demand including captive consumption	Mt	***	***	***	***

Trend	Indexed	100	126	102	121
-------	---------	-----	-----	-----	-----

39. The Authority notes that the production and capacity utilization of the domestic industry shows improvement. However, increase in demand is significantly higher than increase in production and sales of the domestic industry.

Profits, return on investment and cash flow

40. Profits, return on investment and cash flow of the domestic industry has been examined as under:

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (Jan-Dec-09)
Profit before interest and tax	Rs/Lacs	***	***	***	(***)
Trend	Indexed	100	1,031	553	(144)
Return on capital employed (NFA basis)	%	***	***	***	(***)
Trend	Indexed	100	951	484	(79)
Cash profit	Rs/Lacs	***	***	***	(***)
Trend	Indexed	100	1,051	574	(44)

41. The above data shows that the profitability improved in 2007-08 and 2008-09, however, the position deteriorated significantly in the investigation period. Similar trend is observed with respect to cash profit and return on investment. The Authority concludes that the profitability of the domestic industry, even though improved substantially, has once again declined in POI, and has not been able to recover back to its earlier established position. This is attributed to continued dumping from some of the existing sources and also fresh dumping from new sources as claimed by the domestic industry.

Employment and wages

42. The Authority notes that the constituent of the domestic industry is a multi product multi location company; therefore, there may not be direct effect of dumping on employment levels of the domestic industry. Status of employment levels and wages of the domestic industry has been as under:

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (Jan-Dec-09)
Employment (Manpower strength)	Nos	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	108	112	114
Wages	Rs/Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	116	128	140

43. The Authority concludes from the above that employment level of the domestic industry has almost remained stagnant whereas wages show a positive trend.

Actual and potential decline in Productivity

44. The productivity of the domestic industry is given in the following table:

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (Jan-Dec-09)
Productivity per employee	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	92	89	90
Productivity per day	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	99	102

45. The Authority notes from above table that productivity of the domestic industry declined between 2007-08 and 2008-09, but improved again in POI. However, the productivity levels per employee in POI, even though better than 2008-09, were lower than productivity levels in 2006-07.

Inventories

46. Designated Authority has examined the inventory level of the domestic industry, which is given in the following table:-

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (Jan-Dec-09)
Average stock	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	24	39	83
Average stock in terms of No. of days sales	Nos	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	25	39	81

47. Based on the above, Authority notes that the inventory levels of the domestic industry declined in 2007-08 and then increased in 2008-09 and the POI. It has been submitted by the domestic industry that they cannot afford to hold high stock of inventories and have to dispose of the same at whatever prices it can sell the product in the market.

Factors affecting domestic prices

48. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. In order to assess the effect of imports on the domestic market, Designated Authority analyzed import prices over the injury period and found that the landed value of imports per MT, in period of investigation, is lower than the net selling price and non-injurious price from China PR. Change in cost structure if any, due to competition in the domestic industry and prices of competing substitutes have been examined for analyzing the factors other than dumped imports that might be affecting the prices in the domestic market. The Authority concludes that there is no viable substitute to this product and the prices were affected due to dumped prices.

49. Designated Authority determined the net sales realization of the domestic industry considering selling price, excluding taxes & duties, rebates, discounts and freight & transportation. Landed price of imports has been determined considering weighted average CIF import price, with 1% landing charges and applicable basic customs duty. The comparison is done between net sales realization and landed price of imports. The Authority concludes that landed value of imports from the China PR was lower than the net sales realization of the domestic industry for the subject goods during the POI thereby, undercutting the selling price of the domestic industry. The undercutting margin was 15-25%.

50. The price underselling is an important indicator of assessment of injury; thus, the Authority has worked out a non-injurious price and compared the same with the landed value to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been worked out for the domestic producer by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI. The Authority found that the landed value of imports per MT, in period of investigation, is lower than the non injurious price determined for the domestic industry during the period of investigation in respect of the China PR. The underselling margin was 50-60%.

Growth

51. On examination of various economic parameters of the domestic industry, Authority notes that though the volume parameters such as production and sales show improvement; various price parameters of the domestic industry show negative trend, which is in spite of anti dumping duty in force against subject countries, and concludes that resultantly, growth of the domestic industry remained negative.

Ability to raise capital

52. The domestic industry is a multi product company. Their ability to raise further investment is not a significant factor in this case. However, should the dumping from the present sources persist, ability of the domestic industry to raise capital would suffer severely.

Other Known Factors

53. During the POI, imports have taken place from subject countries of present investigation, and other countries against which investigation is in progress. Imports from countries other than these countries are at higher prices.

Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	POI (Jan-Dec-09)
Total demand excluding captive	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	130	104	122
Total demand including captive	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	126	102	121

54. The data shows demand of the product under consideration had declined in 2008-09 and then increased in the POI. Decline in demand cannot be considered as the factor that would have impacted the domestic industry.

Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

55. The subject goods are freely importable and there are no trade restrictive practices in the domestic market. The domestic industry competes among one another and at the same time competes with the landed price of the subject goods. The price of the domestic industry is determined by the landed price of subject goods. Moreover, imports from other sources have sizable presence in the Indian market.

Development of technology and export performance

56. Technology or technology related issues have not been raised by any interested party as cause of injury to the domestic industry.

Exports by the domestic industry

57. The exports of the domestic industry are only 141 MT during the POI and it constitutes nearly 2% of their production. Therefore, exports could not have affected its overall performance.

Likelihood of Continuation / recurrence of injury

58. The Authority has taken note of the information on record. It is noted that the margins of both dumping and injury are negative so far as imports from Sweden are concerned besides low volume of imports from Sweden considering total demand in Indian market. No evidence have been placed on record by any interested party that in the event of discontinuation of anti-dumping duties on imports of subject goods from Sweden, the injury to the domestic industry is likely to recur. It can therefore be concluded that in the event the duty is revoked, there is no likelihood of continuation or recurrence of injury from Sweden.

59. As regards China PR, the Authority holds that dumping of subject goods has continued in spite of AD duty in place. The said dumping has continued to cause injury to the Domestic Industry. The Authority concludes that there is likelihood of continuation of injury in case of revocation of anti dumping duties on imports from China PR.

Comments to the Disclosure Statement

60. None of the interested parties including the domestic industry, who otherwise actively participated in the investigations, has submitted any comments to the disclosure statement.

FINAL FINDINGS:

61. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties at various stages of investigation and facts available before the Authority

and on the basis of the above analysis of the state of current and likely dumping and injury and likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury, the Authority concludes that:

- i) The subject goods are entering the Indian market at dumped prices and dumping margins of the subject goods imported from China PR are substantial and above de-minimis.
- ii) The subject goods are likely to enter the Indian market at dumped prices and the likely dumping margins in respect of imports from China PR is substantial going to be substantial and above de-minimis.
- iii) The subject goods are likely to enter Indian market at dumped prices, should the present measures be withdrawn from China PR.
- iv) The situation of domestic industry continues to be fragile and dumped imports from China PR continue to cause a substantial injury to the domestic industry. Further, should the present anti dumping duties be revoked from China PR, injury to the domestic industry is likely to continue and intensify.
- v) It is noted that the margins of both dumping and injury are negative so far as imports from Sweden are concerned besides low volume of imports from Sweden considering total demand in Indian market.
- vi) It can therefore be concluded that in the event the duty is revoked, there is no likelihood of continuation or recurrence of injury from Sweden.

62. Having concluded that the situation of the domestic industry continues to be fragile and there is likelihood of continuation or resumption of dumping and injury on account of imports from China PR, if the duties are revoked, the Authority is of the opinion that the measure is required to be extended in respect of imports from China PR.

63. Authority, having examined all the submissions made by interested parties, and available information on record, concludes that the quantum of anti dumping duty in force need to be revised so far as China PR is concerned and needs to be discontinue from Sweden. Therefore, the Authority considers it necessary and recommends continuation of anti dumping duty at the revised rate of US \$ 515 per MT on all imports of subject goods originating or exported from China PR and discontinuation of existing anti dumping duty on all imports of subject goods, originating in or exported from Sweden, as notified by Central Government vide Customs notification no 37 / 2006-Customs dated 20th April 2006. The individual duty in respect of Shanxi and Hubei in the above said Customs notification shall cease to be valid and both these producers will be liable to AD Duty of US \$ 515 per MT at par with any other producer / exporter from China PR.

64. An appeal against the orders of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

VIJAYLAXMI JOSHI, Designated Authority